

यीशु मसीह की कहानी



यह एक सत्य घटना है, जो की यीशु मसीह के बारे में है । यीशु इस संसार में बालक के रूप में आये और एक मनुष्य के समान बढ़ते गये । लेकिन वह एक मनुष्य से कहीं अधिक बढ़कर थे । वह परमेश्वर का पुत्र था । उन्होंने कई आश्चर्य कर्म किये, परन्तु उन्होंने आपके लिए सबसे अद्भुत काम किये । इस बात को जानने के लिए और पढ़ें । हमारी यह कहानी एक पुरुष और एक स्त्री से शुरु होती है जिन्होंने परमेश्वर , जो की यीशु के पिता हैं की आज्ञा का उल्लंघन किया ।

यह पुस्तक मुफ्त वितरण के लिए
उपलब्ध है ! बिक्री के लिए नहीं !

परमेश्वर ने सारी सृष्टी को बहुत सुंदर बनाया। परमेश्वर ने एक आदमी को बनाया जिसे उसे उसने आदम नाम दिया और उसकी पत्नी जिसे उसने हव्वा नाम दिया। परमेश्वर ने सारे प्राणीयों को बनाया। आदम और हव्वा सारे प्राणीयों के साथ शांती और सुकून से रहा करते थे।



देखो आदम ! जब मैं बुलाती हूँ वह छोटा पंछी आ जाता है !

परमेश्वर हमारे लिए बहुत अच्छे हैं। उन्होंने हमें सब कुछ दिया।

परमेश्वर ने उस बगीचे में बहुत सारे झाड़ और पौधे लगाये जिनसे वे खाया करते थे। जब की परमेश्वर ने उन्हें सब कुछ दिया था फिर भी एक ही आज्ञा दिया जिसे उन्हें उस का पालन करना था। वहा पर एक फल था जिसे उसने खाने से परमेश्वर ने उसे मना किया लेकिन हव्वा के दिल में उस फल के लिए लालसा थी।

एक सांप था जिसका नाम शैतान था उसने बगीचे में हव्वा के पास जाकर उसे बुलाया

हव्वा : हाँ मैं इसे खाने का फल देखो परमेश्वर ने इसे तुम्हें बहुत बुद्धिमान बन जाओगे।



हव्वा : हाँ यदि हम इसे खायेंगे तो मर जाएंगे।



हव्वा : मैं थोड़ा चखकर देखूंगी।



हव्वा : आदम यह बहुत ही स्वादिष्ट है।

सांप ने वादा किया कि जो फल अलग किया गया है उसका प्रभाव बिल्कुल अलग है। अचानक आदम और हव्वा ने महसूस किया कि उन्होंने परमेश्वर कि आज्ञा का उल्लंघन किया है।

हव्वा : हम बुद्धिमान नहीं है। हम बिल्कुल नग्न हैं।

आदम : चलो, शीघ्र भागो और परमेश्वर से छिप जायेंगे।

तब परमेश्वर आकर उन्हें ढूंढने लगा।

परमेश्वर : तुम्हें कैसे पता चला कि तुम लोग नग्न हो? क्या तुमने वह फल खा लिया जिसे खाने के लिए मैंने मना किया था ?

आदम : मैंने सिर्फ इसलिए खाया कि उस औरत ने मुझे दिया जिसे आपने मुझे दिया था

हव्वा : जिस सर्प को आपने मना किया उसने मुझे धोखा दिया।

परमेश्वर : क्या तुम लोगों को मेरी आज्ञा नहीं मानी इस लिए तुम्हें ह सुन्दर बगीचा में भेजा था ता तु जाना हो। और तुम्हें जीवित रहने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा।

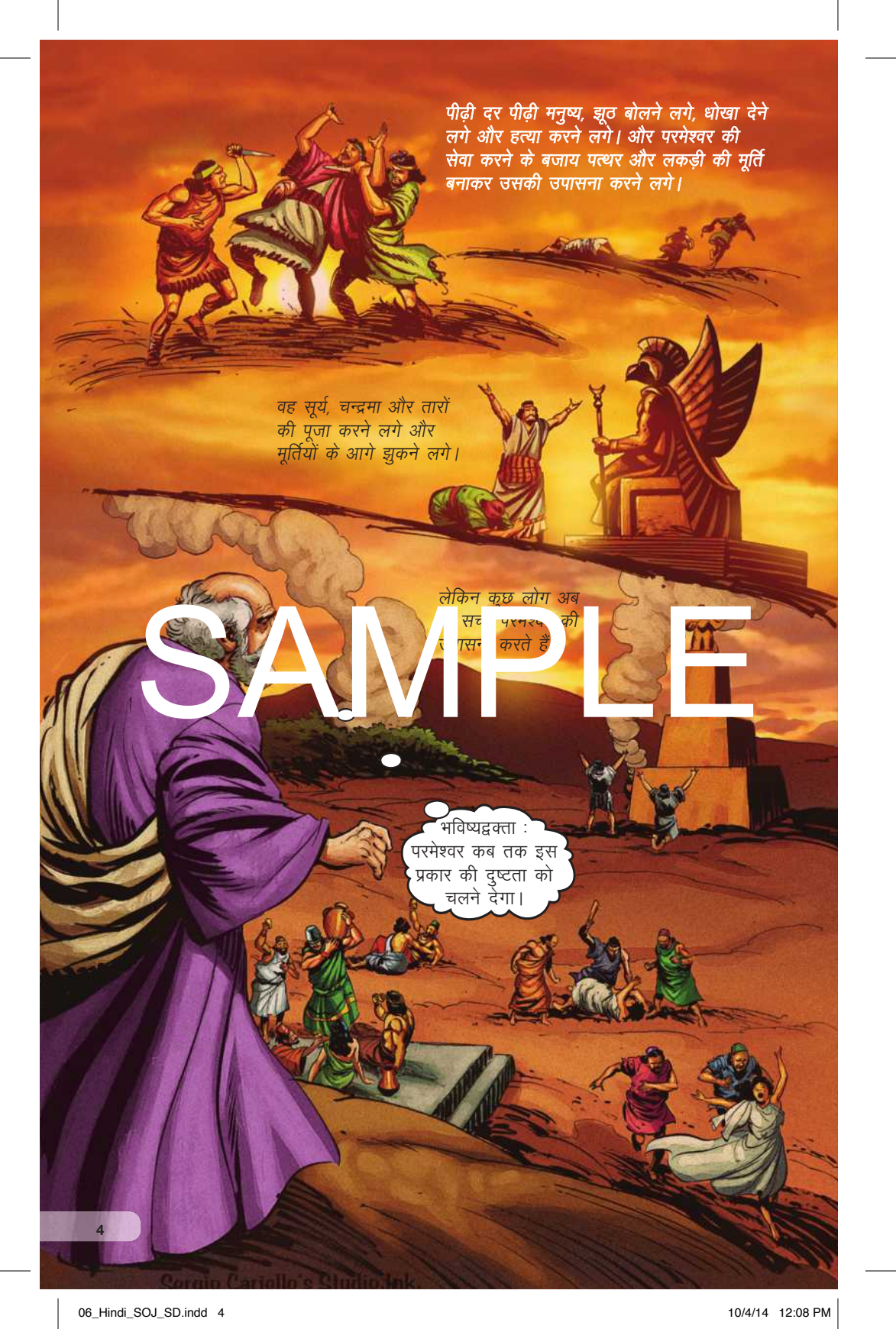
देखो एक जलती हुई तलवार बगीचे के प्रवेश द्वार को रोक रही है। अब हम फिर कभी वापस नहीं जा सकते है।

हम कहाँ जायेंगे और क्या करेंगे ?

मुक्ति के लिए परमेश्वर का वादा

परमेश्वर और उसके द्वारा बनाई गई प्यारी सृष्टि के बीच का पक्का रिश्ता अब हमेशा के लिये टूट गया। आदम और हव्वा अपनी बुद्धि और शर्म के कारण एक नए जीवन को बनाने के लिए मजबूर हो गए।

लेकिन, अपनी सृष्टि को छुड़ाने के लिए परमेश्वर के पास एक उपाय है। परमेश्वर ने वादा किया कि वह अपने लोगों की मुक्ति के लिए एक मुक्तिदाता भेजेगा।



पीढ़ी दर पीढ़ी मनुष्य, झूठ बोलने लगे, धोखा देने लगे और हत्या करने लगे। और परमेश्वर की सेवा करने के बजाय पत्थर और लकड़ी की मूर्ति बनाकर उसकी उपासना करने लगे।

वह सूर्य, चन्द्रमा और तारों की पूजा करने लगे और मूर्तियों के आगे झुकने लगे।

लेकिन कुछ लोग अब सच परमेश्वर की उपासना करते हैं।

SAMPLE

भविष्यद्वक्ता :
परमेश्वर कब तक इस प्रकार की दुष्टता को चलने देगा।



लोगों ने एक दूसरे के साथ बहुत गलत कार्य किए हैं।



लोग भय में रहने लगे, और उन्हें कोई आशा नहीं थी।

SAMPLE

दूसरा व्यंजित
पया रणमत
म ॥

कृपया मुझे
॥

विश्व के राज्य एक दूसरे पर आक्रमण कर के लोगों को मार रहे थे।



मृत्यु पूरे विश्व में छा रही थी।



मैं यीशु से कैसे पुछूं कि वह मेरे पापों को दूर करे। इन कदमों का पालन करके।

आप किसी भी समय यीशु से बातचीत कर सकते हो। उससे तेज या आवाज़ में या मन में बात करो।

पहला कदम : यीशु को बताओ कि उन सभी कार्यों के लिए जो कि उसने आपके लिए किए हैं, आप उससे प्रेम करते हैं। उसे धन्यवाद दो।

दूसरा कदम : यीशु को बताओ कि आप अपने गलत कार्यों के लिए कितना दुखी हैं यीशु को बताओ कि आप पापों से दूर एवं उसके पास आना चाहते हैं।

तीसरा कदम : यीशु को बताओ कि आप यह विश्वास करते हैं कि वह आपके पापों को क्षमा कर सकते हैं।

चौथा कदम : यीशु से कहो कि वह आपको क्षमा करे। और यह बताओ कि अपने पुरे जीवन भर आप उसके पीछे चलेंगे। बताओ कि आप उसके लिए जीना चाहते हैं।

पाँचवा कदम : परमेश्वर को धन्यवाद दे क्योंकि उसने आपकी प्रार्थना को सुना है और आपको क्षमा किया है। यीशु ने आपको बचा लिया है। अब आप दूर हैं।



मुक्ति की कविता

यीशु क्रूस पर मरा
और हम भटकों के लिए
फिर से जी उठा।
मेरे सारे पापों को माफ कर
प्रभु आ, मेरा मुक्तिदाता और मित्र बन जा।
मेरे जीवन को बदलकर नया बना।
प्रभु मेरी सहायता कर कि मैं तेरे लिए
जीवित रहूँ।

आज मैंने यीशु को अपना मुक्तिदाता और प्रभु ग्रहण किया।

मेरा नाम

आज दिनांक :

यहां जानकारी और बहुत है।

परमेश्वर और उसके एकलौते पुत्र यीशु के बारे में सीखने के लिए बाइबिल में और बहुत कुछ है। बाइबिल के दो भाग हैं। और जैसे आप जल्द ही पढ़ना शुरू करेंगे।

कैसे हमारे एक सच्चे परमेश्वर ने संसार और हमारी सृष्टि बनाई।

कैसे मनुष्य सच्चे परमेश्वर से दूर चले गये।
(उत्पत्ति अध्याय-3)

यीशु के जीवन की सभी घटनायें मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना की पुस्तक में हैं।

उत्तेजित अगला कदम

पहली बात : किसी अन्य व्यक्ति को जो कि यीशु से प्रेम करता है, बताओ कि तुमने क्या निश्चय किया है। आप में बातचीत करो कि आज प्रभु का अनुयायी बनना कितना अदभुत है। और उसके साथ सदैव स्वर्ग में रहना कितना अदभुत है। यदि कोई भी प्रश्न जो अब भी है, का उत्तर पाने के लिए मिल जुल कर कार्य करो।

दूसरी बात : यदि प्रभु के मित्रों की ऐसी मंडली जो आपके निकट किसी कलीसिया या घर में मिलते हैं आप उनसे जुड़ जाओ। यीशु के पीछे प्रतिदिन चलने का जो निर्णय आपने लिया है उसके लिए यह एक अच्छा मार्ग है जो कि आपको और भी मजबूत बनाए रखेगा।